Anil Agarwal Vedanta Group: 80 लाख कारें सड़कों से हटाने के बराबर, अनिल अग्रवाल के वेदांता ग्रुप का यह काम उड़ा देगा होश

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर वेदांता ने बताया कि FY26 में उसने 400 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग किया, 3.6 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन घटाया और जल संरक्षण, वृक्षारोपण व जैव विविधता पर काम तेज किया।

Curated By: राजेश भारती

Updated: 29 Jul 2026, 10:11 pm IST | नवभारतटाइम्स.कॉम

Advertisement

ऐप पर पढ़ें

नई दिल्ली: विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के मौके पर अनिल अग्रवाल के वेदांता समूह ने पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उसने करीब 400 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन और उपयोग किया। इससे वित्त वर्ष 2020-21 के बाद से अब तक लगभग 3.6 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। कंपनी के मुताबिक, यह एक साल के लिए करीब 80 लाख यात्री वाहनों को सड़कों से हटाने के बराबर है।

पर्यावरण बचाने के लिए वेदांता समूह की पहल।

ऐप पर पढ़ें

वेदांता अपनी ESG (पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासनिक) रणनीति के तहत कार्बन उत्सर्जन कम करने के साथ-साथ जल संरक्षण, वृक्षारोपण और जैव विविधता के संरक्षण पर भी लगातार काम कर

होम वीडियो ऐप इंस्टॉल करें ज्योतिष शहर चुनें

CRISIL Upgrades Vedanta Power Rating: अनिल अग्रवाल को मिली एक और बड़ी खुशखबरी, वेदांता पावर की रेटिंग अपग्रेड होकर AA+ हुई

नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल पर जोर

कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में FY26 में उसके नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में करीब 450% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, धातु और खनन कारोबार में कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता लगभग 14% घटाई गई है। वेदांता ने वर्ष 2050 या उससे पहले नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए कंपनी चार प्रमुख क्षेत्रों पर काम कर रही है:

- परिचालन में अधिक दक्षता
- स्वच्छ ईंधन का उपयोग
- नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा
- प्रकृति आधारित कार्बन कटौती परियोजनाओं में निवेश

इन कामों पर भी विशेष फोकस

वेदांता ने देशभर में 100 से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं विकसित की हैं। इनमें वर्षा जल संग्रहण प्रणाली, चेक डैम और जल संग्रहण तालाब शामिल हैं। कंपनी भूजल स्तर बढ़ाने, पुराने तालाबों के पुनर्जीवन और जलग्रहण क्षेत्रों के संरक्षण पर भी काम कर रही है।

- प्राकृतिक पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए वेदांता ने वर्ष 2021 से अब तक 40 लाख से अधिक पौधे लगाए हैं।
- कंपनी कई जगहों पर मियावाकी मॉडल के तहत घने जंगल विकसित कर रही है।
- वेदांता अपने विभिन्न प्रोजेक्ट क्षेत्रों में जैव विविधता का अध्ययन कर संरक्षण योजनाएं लागू कर है।
- कंपनी इन परियोजनाओं की निगरानी GIS मैपिंग, स्वतंत्र मूल्यांकन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ कर रही है।

ऐप पर पढ़ें

कंपनी भारत के लिए अधिक टिकाऊ और हरित भविष्य बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

लेखक के बारे में
राजेश भारती
राजेश भारती, नवभारत टाइम्स (डिजिटल) में असिस्टेंट न्यूज एडिटर हैं। वह जुलाई 2024 में टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के नवभारत टाइम्स, डिजिटल विंग से जुड़े। राजेश भारती NBT डिजिटल में बिजनेस डेस्क पर कार्यरत हैं। वह कमोडिटी मार्केट, शेयर मार्केट, पर्सनल फाइनेंस, क्रिप्टोकरेंसी पर मजबूत पकड रखते हैं। 16 साल से अधिक के पत्रक ... और पढें

लेटेस्ट कमेंट

कमेंट पोस्ट करें

YOU MAY LIKE SPONSORED LINKS BY TABOOLA

Belly Fat Still There After 40? Nutritionists Say These 2 Morning Foods May Be Wh…
Weight Well

Help him! An eye tumor is stealing his childhood.
His parents sold all their gold, but little Vyom still needs lifesaving treatment. Help now!
Donate For Health
Donate Now

Belly Fat After 40? Nutritionists Say Dieting Isn't The Real Cause — Do You Do It?
Weight Well
ऐप पर पढ़ें

1 BHK Homes with Jain Temple within Premises
Mulund's Finest High-Rise 1 BHK Homes at Runwal Pinnacle.